रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 117] नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 28, 2017/चैत्र 7, 1939
No. 117] NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 28, 2017/CHAITRA 7, 1939

## इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (म.प्र.)

### अधिसूचना

अमरकंटक, 25 मार्च, 2017

**सं. ई.गाँ.रा.जन.वि./2017/वि./243.**—निम्नलिखित को सर्व साधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है :—

### अध्यादेश – 1

### कुलपति की सेवा की परिलब्धियां, निबंधन और शर्तें तथा अधिकार एवं प्रकार्य

**[अधिनियम की धारा 32 (1) (आर) ; संविधि 2 (5) (iii)]**

**वेतन**

1. वेतनः विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/केंद्रीय सरकार द्वारा समय–समय पर अधिसूचनानुसार।
2. महंगाई एवं अन्य भत्ते गृह किराया भत्ते के अतिरिक्तः केंद्रीय सरकार द्वारा समय–समय पर अधिसूचित।
3. कुलपति केंद्र सरकार द्वारा समय–समय पर निर्धारित भत्ते एवं अन्य सेवांत हित लाभ के हकदार होंगे।
4. कुलपति विश्वविद्यालय द्वारा समय–समय पर अनुमोदित अवकाश यात्रा रियायत के हकदार होंगे।
5. कुलपति अपने और अपने परिवार के सदस्यों के विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित निजी अस्पताल/नर्सिंग होम के निजी ओपीडी/निजी वार्ड में वैद्यकीय उपचार के लिए किए गए व्यय की प्रतिपूर्ति के हकदार होंगे।
6. कुलपति, अपने सेवा अवधि की समाप्ति तक स्वयं व अपने परिवार के सदस्यों के गृह नगर से कार्यस्थल तक आवागमन हेतु यात्रा भत्ते, महंगाई भत्ते की प्रतिपूर्ति के हकदार होंगे/होंगी।
7. कुलपति, कार्यकारी परिषद द्वारा निर्धारित दर से यात्रा भत्ते को प्राप्त करने के हकदार होंगे।

**अवकाश**

**छुट्टी :**

1. **क.** कुलपति अपने कार्यकाल में एक कैलेंडर वर्ष में 30 दिन की पूर्ण वैतनिक छुट्टी के हकदार होंगे। यह छुट्टी प्रति वर्ष 15 दिनों की दो अर्धवार्षिक किश्तों में जनवरी तथा जुलाई के पहले ही दिन अग्रिम रूप में उनके खाते में जमा हो जाएंगी।

   यदि कुलपति अर्ध वर्ष के दौरान कार्यभार ग्रहण या त्याग करते हैं तो सेवा पूर्णता के प्रत्येक माह के लिए 2 ½ दिन के अनुपात में छुट्टी जमा होगी।

**ख.** पिछली अर्धवार्षिक अवधि की समाप्ति पर कुलपति के खाते में जमा छुट्टी का नई अर्धवार्षिक अवधि के लिए अग्रनयन होगा बशर्ते कि ऐसी अग्रनयित छुट्टी का कुलयोग 300 दिन की अधिकतम सीमा को पार न करें।

**ग.** कुलपति, अपने कार्यालय में कार्यभार पूर्ण होने के बाद कुछ दिनों के स्वीकार्य संपूर्ण अवकाश वेतन भुगतान के हकदार होंगे/होंगी। कार्यभार पूर्ण होने के समय में बशर्ते कि 300 दिनों की एक अधिकतम नकदीकरण लाभ सहित, उपलब्ध होना चाहिए।

**घ.** कुलपति अपनी सेवा के प्रत्येक वर्ष की समाप्ति पर 20 दिन की अर्धवेतन छुट्टी के हकदार होंगे। चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर अर्ध वेतन छुट्टी परिवर्तित छुट्टी (कम्युटेड लीव) के रूप में काम आ सकती है, बशर्ते कि इस तरह से रूपांतरित छुट्टी का लाभ उठाने पर दोगुनी अर्ध–वेतन छुट्टी प्राप्य अर्ध–वेतन छुट्टी के नामे डाली जाएगी।

**ङ.** कुलपति अपनी पूरी पांच वर्ष की अवधि के दौरान चिकित्सा या अन्य आधार पर अधिकतम तीन महीने की अवैतनिक–छुट्टी के हकदार होंगे।

2. अगर कुलपति अगले सत्र के लिए नियुक्त किए जाते हैं तो ऐसे प्रत्येक सत्र के लिए उपर्युक्त अवधि की छुट्टी अलग से लागू होगी।
3. ऐसी छुट्टी की अवधि के दौरान, कुलपति उसी वेतन, मानदेय और भत्ता तथा दी जाती रही सेवाओं की सुविधाओं के हकदार होंगे।
4. केंद्र या राज्य सरकार के बुलावे पर, सार्वजनिक सेवा या सार्वजनिक उद्देश्य से विश्वविद्यालय की ओर से प्रतिनियुक्ति के कारण हुई कुलपति की अनुपस्थिति की ऐसी अवधि को ड्यूटी पर (कार्यरत्) माना जाएगा।
5. जहाँ विश्वविद्यालय का कोई कर्मचारी कुलपति पद पर नियुक्त किया जाता/जाती है, उसे कुलपति पद पर नियुक्त होने से पूर्व अपने खाते में जमा कोई भी छुट्टी उपयोग में लेने की अनुमति होगी। इसी तरह कुलपति पद छोड़ने पर और अपने पुराने पद पर पुनः कार्यग्रहण करने की स्थिति में वह अपने खाते में जमा छुट्टी वापस नए पद में पाने के हकदार होंगे/होंगी।
6. आगे, उसे किसी ऐसे भविष्यनिधि में अंशदान करने की अनुमति दी जा सकती है जिसका वह सदस्य है और विश्वविद्यालय ऐसे व्यक्ति (कर्मचारी) के भविष्य निधि खाते में उसी दर से अंशदान करेगा जिस दर से वह व्यक्ति कुलपति पद पर नियुक्त होने के ठीक पूर्व तक करता/करती रहा/रही हो।
7. यदि किसी अन्य संस्था में कार्यरत व्यक्ति प्रतिनियुक्ति पर कुलपति नियुक्त होता है तो वह कुलपति पद पर नियुक्त होने से पूर्व संस्था के प्रतिनियुक्ति के नियमों के अनुसार वही वेतन, भत्ते, छुट्टियाँ और छुट्टी के वेतन का हकदार होगा/होगी जिसका वह कुलपति के रूप में नियुक्त होने से पहले था/थी और तब तक जब तक वह इस पद का धारणाधिकार (लियन) रखता हो। जिस संस्था का वह स्थायी कर्मचारी है उसके नियमानुसार विश्वविद्यालय छुट्टी के वेतन भविष्य निधि, पेंशन के अशदान का भुगतान करेगा।

**सुविधाएं**

1. कुलपति विष्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित किए गए फर्नीचर के साथ पानी, बिजली, और निःशुल्क सुसज्जित आवास का हकदार होगा/होगी। उसके निवास के परिसर की देख–रेख विश्वविद्यालय द्वारा की जाएगी।
2. कुलपति निःशुल्क सरकारी कार की सुविधा का हकदार होगा। वह अपने निवास पर मोबाइल फोन और निःशुल्क टेलीफोन (एसटीडी और आई.एस.डी. के साथ) सेवा का भी हकदार होगा।
3. कुलपति के निवास पर एक रसोइया और दो चपरासियों की सुविधा होगी।

**अधिकार और कार्य**

कुलपति विश्वविद्यालय का मुख्य कार्यकारी एवं शैक्षणिक प्रमुख है और अन्य के अतिरिक्त उसके अधिकार और कर्तव्य निम्नलिखित हैं :

1. अधिनियम, संविधियों, अध्यादेशों एवं प्रावधानों का पूरी तरह से पर्यावलोकन सुनिश्चित कर लेना।
2. नेमी कार्य संबंधी अपने अधिकार समकुलपति, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष और अन्य कार्यालयों को प्रत्यायोजित करना, और जिनको संबंद्ध मामलों में बताए गए स्पष्ट नियमों के आधार पर काम करना होगा।
3. यह सुनिश्चित करना कि अल्पावधि के लिए अस्थायी पदों के सृजन और छुट्टी की मंजूरी आदि जैसे नेमी मामले सामान्यतः कार्यकारी परिषद् के पास विचारार्थ ना भेजे जाए।
4. संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, निरीक्षकों, छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष एवं छात्रपालों आदि की नियुक्तियां करना। तथापि समकुलपति की नियुक्ति अधिनियम और अध्यादेशों के प्रावधानों के अनुसार की जा सकती है।
5. कुलपति को किसी भी प्राधिकारी के ऐसे निर्णय पर कार्यप्रवृत्त न होने का अधिकार होगा जो निर्णय कुलपति की राय में अधिनियम या संविधियों या अध्यादेशों के अधिकारातीत हो और या ऐसा कोई निर्णय जो विश्वविद्यालय के सर्वोत्तम हित में ना हो। इन दोनों मामलों से निर्णय के पुनर्विलोकन के लिए संबंधित अधिकारी से पूछ सकते हैं और अगर मतभेद बने रहते हैं तो तुरंत कुलाध्यक्ष को विचारार्थ भेजा जाए जिनका निर्णय अंतिम और कुलपति के लिए बाध्य होगा।
6. विश्वविद्यालय के अधिकारियों, निकायों एवं समितियों के अध्यक्ष के रूप में, वह निकायों और समितियों की बैठक से कार्रवाई में बाधा डालने वाले सदस्य के अशोभनीय व्यवहार के लिए सदस्य को निलंबित करने के लिए सशक्त होंगे।
7. छात्रों और कर्मचारियों के संबंध में सभी अनुशासनात्मक अधिकार कुलपति के अधीन होंगे। उनको किसी कर्मचारी को निलंबित करने और उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का अधिकार होगा। हालांकि, कुलपति इन अधिकारों को अन्य अधिकारियों को प्रत्यायोजित कर सकते हैं।
8. वह निर्धारित समय पर विश्वविद्यालय की परीक्षाओं को आयोजित करना और सुनिश्चित करना कि इस तरह की परीक्षाओं के परिणाम त्वरित प्रकाशित हों और उचित समय पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र प्रारम्भ और अंत होने के लिए जिम्मेदार होगा।
9. कुलपति को आपात स्थिति में किसी प्राधिकार के जिसमें अधिकार निहित हो, कार्रवाई करने का और ली गई कार्रवाई की रपट प्राधिकार की अगली बैठक में देने का अधिकार होगा।
10. वह अधिकारियों, संकाय सदस्यों (फैकल्टी मेंबर्स), कर्मचारियों और छात्रों को जिम्मेदारियाँ आवंटित करने और अपेक्षित मानकों पर उनके कार्य निष्पादन के लेखे—जोखे के लिए जिम्मेदार होगा।
11. लोगों का प्रबंधन (छात्रों और शैक्षिक कर्मचारियों सहित) ऐसे तरीके से करना जिससे व्यापक रूप से समाज पर सकारात्मक प्रभाव हो और कार्रवाई, विकास आदि की समग्र योजनाओं के अनुरूप हो।
12. संविधि/अध्यादेश में परिभाषित सभी प्रशासनिक और वित्तीय अधिकारों का प्रयोग करना।
13. वह उपर्युक्त किसी भी बात के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक आदेशों को पारित करने और उपायों को अपनाएगा।

## अध्यादेश — 2

## समकुलपति की सेवा की परिलब्धियाँ, निबंधन और शर्तें तथा अधिकार एवं प्रकार्य

**[अधिनियम की धारा 32 (1) (आर) ; संविधि 4 (3)]**

समकुलपति निम्नलिखित रूप में वेतन प्राप्त करेंगे।

1. वेतन : समय—समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित।
2. महंगाई तथा अन्य/भत्ता : समय—समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित।

*जब अन्य विष्वविद्यालय या अन्य कोई संस्था, सरकारी या उसके संगठन में कार्यरत कर्मचारी को समकुलपति के रूप में नियुक्त किया जाता है तो वह सेवा निवृत्ति लाभ योजना (जैसे सामान्य भविष्य निधि/*अंशदायी *पेंशन निधि/पेंशन*

*उपदान/स्थानांतरण यात्रा भत्तों) आदि के द्वारा शासित होंगे जो सम–कुलपति के रूप में नियुक्त होने से पहले थी और जब तक वह अपने पद पर धारणाधिकार जारी रखेगा/रखेगी।*

3. समकुलपति, अपने और अपने परिवार के सदस्यों के विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित निजी अस्पताल/नार्सिंग होम के निजी ओ.पी.डी./निजी वार्ड में वैद्यकीय उपचार के लिए किए गए व्यय की प्रतिपूर्ति के हकदार होंगे।

4. समकुलपति कार्यग्रहण के समय अपने गृह नगर से कार्यस्थल तक के और कार्यकाल की समाप्ति के बाद कार्यभार छोड़ने पर गृह नगर लौटने हेतु अपने और परिवार के सदस्यों के लिए यात्रा भत्ता, महंगाई भत्ता की मद में किए गए व्यय की प्रतिपूर्ति के हकदार होंगे/होंगी।

5. समकुलपति कार्यकारी परिषद द्वारा निर्धारित यात्रा भत्ता पाने के हकदार होंगे।

6. समकुलपति पानी, बिजली और निःशुल्क सुसज्जित आवास का हकदार होगा/होगी। उसके निवास की परिसर की देख–रेख विश्वविद्यालय द्वारा की जाएगी।

7. समकुलपति कर्मचारी कार की सुविधा का हकदार होगा जिसका उपयोग वह अपने कार्यालय एवं उसके घर तक कर सकता/सकती है। वह अपने निवास पर मोबाईल फोन और निःशुल्क दूरभाष (एस.टी.डी. और आई.एस.डी. के साथ) सेवा का भी हकदार होगा।

8. समकुलपति के निवास पर एक चपरासी की सुविधा होगी।

9. **छुट्टी :**

**क.** समकुलपति एक कैलेंडर वर्ष में 30 दिन की पूर्ण वैतनिक छुटटी के हकदार होंगे। यह छुट्टी प्रति वर्ष 15 दिनों की दो अर्धवार्षिक किश्तों में जनवरी तथा जुलाई के पहले ही दिन अग्रिम रूप में उनके खाते में जमा हो जाएगी।

यदि कुलपति अर्ध वर्ष के दौरान कार्यभार ग्रहण या त्याग करते हैं तो सेवा पूर्णता के प्रत्येक माह के लिए 2 ½ दिन के अनुपात में छुट्टी जमा होगी।

**ख.** पिछली अर्धवार्षिक अवधि की समाप्ति पर समकुलपति के खाते में जमा छुट्टी का नई अर्धवार्षिक अवधि के लिए अग्रनयन होगा बशर्ते कि ऐसी अग्रनयित छुट्टी का कुलयोग 300 दिन की अधिकतम सीमा को पार न करे।

**ग.** समकुलपति अपने कार्यालय में कार्यभार पूर्ण होने के बाद कुछ दिनों के स्वीकार्य संपूर्ण अवकाश वेतन भुगतान के हकदार होंगे/होंगी। कार्यभार पूर्ण होने के समय में बशर्ते कि 300 दिनों की एक अधिकतम नकदीकरण लाभ सहित, उपलब्ध होना चाहिए।

**घ.** समकुलपति अपनी सेवा के प्रत्येक वर्ष की समाप्ति पर 20 दिन की अर्धवेतन छुट्टी के हकदार होंगे। चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर अर्ध वेतन छुट्टी, परिवर्तित छुट्टी (कम्यूटेड लीव) के रूप में काम आ सकती है, बशर्ते कि इस तरह से रूपांतरित छुट्टी का लाभ उठाने पर दुगुनी अर्ध–वेतन छुट्टी प्राप्य अर्ध–वेतन छुट्टी के नामे डाली जाएगी।

**ङ.** अगर समकुलपति आगले सत्र के लिए नियुक्त किए जाते हैं तो ऐसे प्रत्येक सत्र के लिए उपर्युक्त अवधि की छुट्टी अलग से लागू होगी।

**च.** ऐसी छुट्टी की अवधि के दौरान, समकुलपति उसी वेतन, मानदेय और भत्ता तथा दी जाती रही सेवाओं की सुविधाओं के हकदार होगा।

**छ.** केन्द्र या राज्य सरकार के बुलावे पर, सार्वजनिक सेवा या सार्वजनिक उद्देश्य से विश्वविद्यालय की ओर से प्रतिनियुक्ति के कारण हुई समकुलपति की अनुपस्थिति की ऐसी अवधि को कार्यरत माना जाएगा।

**ज.** जहाँ विश्वविद्यालय का कोई कर्मचारी समकुलपति पद पर नियुक्त किया जाता/जाती है, उसे समकुलपति पद पर नियुक्त होने से पूर्व अपने खाते में जमा कोई भी छुट्टी उपयोग में लेने की अनुमति होगी। इसी तरह समकुलपति पद छोड़ने पर और अपने पुराने पद पर पुनः कार्यग्रहण करने की स्थिति में वह अपने खाते में जमा छुट्टी वापस नए पद में पाने के हकदार होगा/होगी।

आगे, उसे किसी ऐसे भविष्य निधि में अंशदान करने की अनुमति दी जा सकती है जिसका वह सदस्य है और विश्वविद्यालय ऐसे व्यक्ति (कर्मचारी) के भविष्य निधि खाते में उसी दर से अंशदान करेगा जिस पद से वह व्यक्ति कुलपति पद पर नियुक्त होने के ठीक पूर्व तक करता/करती रहा/रही हो।

**झ.** यदि किसी अन्य संस्था में कार्यरत व्यक्ति प्रतिनियुक्ति पर समकुलपति नियुक्त होता है तो वह समकुलपति, अपने कार्यालय में कार्यभार पूर्ण होने के बाद कुछ दिनों के स्वीकार्य संपूर्ण अवकाश वेतन भुगतान के हकदार होगा/होगी। कार्यभार पूर्ण होने के समय में बशर्ते कि 300 दिनों की एक अधिकतम नकदीकरण लाभ सहित, उपलब्ध होना चाहिए। वहीं वेतन, भत्ते, छुट्टियाँ और छुट्टी के वेतन का हकदार होगा/होगी जिसका वह समकुलपति के रूप में नियुक्त होने से पहले था/थी और तब तक जब तक वह इस पद का धारणाधिकार (लीयन) रखता हो। जिस संस्था का वह स्थायी कर्मचारी है उसके नियमानुसार विश्वविद्यालय छुट्टी के वेतन भविष्य निधि, पेंशन के अंशदान का भुगतान करेगा।

**अधिकार और कार्य**

समकुलपति समय समय पर कुलपति द्वारा विनिर्दिष्ट कुछ मामलों में कुलपति की सहायता करेंगे, साथ ही साथ कुलपति द्वारा निर्दिष्ट अथवा प्रतिनिधित्व किए गए कर्तव्यों एवं अधिकारों का भी पालन करेंगे।

डॉ. ए. आर. सुब्रमणियन, कुलसचिव

[विज्ञापन–III/4/असाधारण/487/16]

**INDIRA GANDHI NATIONAL TRIBAL UNIVERSITY, AMARKANTAK (M.P.)**

**NOTIFICATION**

Amarkantak, the 25th March, 2017

**No. IGNTU/2017/Reg/243.—**The following is published for general information.—

**ORDINANCE – 1**

**EMOLUMENTS, TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE AND POWERS AND FUNCTIONS OF THE VICE-CHANCELLOR**

**[Section 32 (1) (r) of the Act; Statute 2(5) (iii)]**

**SALARY**

1. Pay: As notified by the University Grants Commission/Central Government from time to time.
2. Dearness and other Allowances: As notified by the Central Government from time to time other than House Rent Allowance.
3. The Vice-Chancellor shall be entitled to such terminal benefits and allowances as fixed by the Central Government from time to time.
4. The Vice-Chancellor shall be entitled to leave travel Concession, as approved by the University from time to time.
5. Vice-Chancellor shall be entitled to the reimbursement of medical expenses incurred on the medical treatment of himself and his family members obtained from the Private OPD/ Private Wards of any approved Hospital / Nursing Home as approved by the University.
6. Vice-Chancellor shall be entitled to the reimbursement of the expenses on account of T.A., D.A. for himself/herself and his/her family members from his home town to place of duty and back on his/her assuming office and relinquishing it on the expiry of his/her tenure.
7. The Vice-Chancellor shall be entitled to receive Travelling Allowance at the rates fixed by the Executive Council.

**Leave:**

1. (a) The Vice-Chancellor shall, during the tenure of his office, be entitled to leave on Full Pay at the rate of 30 days in the calendar year. The Leave shall be credited to his account in advance in two half yearly instalments of 15 days each on the first day of January and the first day of July every year.

Provided that if the Vice-Chancellor assumes of relinquishes the charge of the Office of the Vice-Chancellor during the currency of half year, the leave shall be credited proportionately at the rate of 2 ½ days for each completed months of service.

(b) The Leave at the credit of the Vice-Chancellor at the close of the Previous half year shall be carried forward to the new half year, subject to the condition that the Leave, so carried forward plus the credit for that half year, dose not exceed the maximum limit of 300 days.

(c) The Vice-Chancellor, on relinquishing the charge of his/her office, shall be entitled for the number of days equivalent of the leave Salary admissible for the number of days of Leave on Full Pay due to him at the time of his relinquishing of charge, subject to a maximum of 300 days, including encashment benefit availed of elsewhere.

(d) The Vice-Chancellor shall also be entitled to Half Pay Leave at the rate of 20 days for each completed year of service. The Half-Pay Leave may also be availed of as commuted Leave on production of medical certificate, provided that when such commuted leave is availed of is availed, twice the amount of Half-Pay Leave shall be debited against the Half-Pay Leave due.

(e) The Vice-Chancellor shall also be entitled to avail himself of Extra-Ordinary Leave without pay for a maximum period of three months during the full term of five year on medical grounds or otherwise.

2. In case the Vice-Chancellor is appointed for further term, the leave period mentioned above, shall apply separately to each term.

3. During the period of such Leave, the Vice-Chancellor shall be entitled to the same Salary, Honorarium and Allowances and such other facilities or services as may have been provided.

4. In the case of any absence of the Vice-Chancellor occasioned by any call by the Central or State Government, Public Service, or on Deputation on behalf of the University for any public purpose, the period, so spent shall be treated on duty.

5. Where an employee of the University is appointed as the Vice-Chancellor, he/she shall be allowed to avail himself of any Leave at his credit before his/her appointment as the Vice-Chancellor. Similarly, on his/her relinquishing the post of the Vice-Chancellor and in event of his/her re-joining his/her old post, he/she shall be entitled to carry back the Leave at his/her credit to the new post.

6. Further he/she may be allowed to contribute to any provident fund of which he/she is a member and the University shall contribute to the account of such person in that provident fund at the same rate at which the person had been contributing immediately before his/her appointment as Vice-Chancellor.

**7.** If a person, employed in another institution, is appointed the Vice-Chancellor on Deputation, he/she shall be entitled to Salary, Allowances, Leave and leave Salary as per deputation Rules of the institution to which he/she was entitled prior to his/ her appointment as the Vice-Chancellor and till he/she continues to hold his/ her lien on the post. The University shall also pay Leave Salary, Provident Fund, Pension Contributions to the Institution, where he/she permanently employed, as admissible under the Rules.

**Amenities**

1. The Vice-Chancellor shall be entitled to have water, power and rent free furnished residential accommodation with such furniture, as may be approved by the University. The premises of his/her lodging will be maintained by the University.

2. The Vice-Chancellor shall be entitled to the facility of a free official car. He shall also be entitled to mobile phone and free telephone (with STD and ISD) service at his/her residence.

3. The Vice-Chancellor shall be entitled to one cook and two attendants at his/her residence.

**POWER AND FUNCTIONS**

The Vice-Chancellor is the Chief Executive and Academic Head of the University and as such his/her power and duties include, among others, the following:

1. To ensure that the provisions of the Act, Statutes, Ordinances and Regulations are fully observed.

2. To delegate his powers for day-to-day work to the Pro-Vive-Chancellor (s). Deans, Head of the Departments and other officers who should act on the basis of clear rules laid down in this regard.

3. To ensure that the routine items regarding creation of temporary posts for short duration and sanction of leave etc. should not normally be referred to the Executive council.

4. To make appointments of Deans, Heads, Proctors, Dean of Students Welfare and Wardens etc. The appointment of the Pro-Vice-Chancellor (or Rector) and equivalent officers, however, may be made as per the provisions of the Act and Statutes.

5. Power, not to act upon any decision of any authority, if he is of the opinion that it is ultravires of the provisions of the Act or Statues or Ordinances or that such a decision is not in the best interests of the University. In both the cases he could ask the authority concerned to review the decision and if differences persist, the matter be referred immediately to the Visitor whose decision shall be final and binding on the Vice-Chancellor.

6. As the chairman of the authorities, bodies and committees of the University he should be empowered to suspend a member from the meeting of the authority, body or committee for persisting to obstruct or stall the proceedings or for indulging in behaviour unbecoming of a member.

7. All the disciplinary powers in regard to students and employees shall vest with the Vice-Chancellor. He shall have the powers to suspend an employee and initate disciplinary action against him. However, the Vice-Chancellor could delegate these powers to other officers.

8. He shall be responsible for holding and conducting the University examinations properly at the scheduled time and for ensuring that results of such examinations are published expenditiously and that academic session of the University start and end on proper dates.

9. In an emergent situation to take any action on behalf of any authority in which the power is vested and to report the action taken in the next meeting of the authority.

10. He shall be responsible to allocate responsibilities and to audit the performance of officers, faculty members, staff and students against the expected standards.

11. Managing the people (including students and academic staff), in a manner whereby there is a positive impact on society at large and the actions are in accordance with the overall plans of development etc.

12. To exercise all administrative and financial powers as defined in Statutes/ Ordinance.

13. He/ she shall pass such Orders and take such measures that are necessary to implement any of the above.

**ORDINANCE – 2**

**EMOLUMENTS, TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE AND POWERS AND FUNCTIONS OF THE PRO VICE-CHANCELLOR**

**[Section 32 (1) (r) of the Act; Statute 4(3)]**

The Pro Vice-Chancellor shall receive a salary as follows:

1. Pay: As notified by the Central Government from time to time.

2. Dearness and other / Allowances: As fixed by the Central Government from time to time.

   Where an employee of this University or any other Institution /Government and its organisations is appointed as Pro Vice-Chancellor, he/she shall continue to be governed by the same retirement benefit scheme, (namely general Provident Fund/Contributory Provident Fund/Pension/ Gratuity/Transfer TA) to which he was entitled prior to his appointment as Pro Vice-Chancellor, and till he/she continues to hold his/her lien on that post.

3. The Pro Vice-Chancellor shall be entitled to the reimbursement of medical expenses incurred on the medical treatment of himself/ herself and his/ her family members obtained from the Private OPD/Private Wards of any approved Hospital/Nursing Home as approved by the University.

4. The Pro Vice-Chancellor shall be entitled to the reimbursement of the expenses on account of T.A., D.A. for himself/herself and his/her assuring office and relinquishing it on the expiry of his/her tenure.

5. The Pro Vice-Chancellor shall be entitled to receive Travelling Allowance at the rates fixed by the Executive Council.

6. The Pro Vice-Chancellor shall be entitled to have water, power and rent free furnished residential accommodation. The premises of his/her lodging will be maintained by the University.

7. The Pro Vice-Chancellor shall be entitled to the facility of a staff car for journey performed between Office and his/her Residence. He shall also be entitled to mobile phone and free telephone (with STD and ISD) service at his/her residence.

**8.** The Pro Vice-Chancellor shall be entitled to an attendant at his/her residence.

9. Leave:

a. The Pro Vice-Chancellor shall be entitled to leave on Full Pay at the rate of 30 days in the calendar year. The Leave shall be credited to his/her account in advance in two half yearly instalments of 15 days each on the first day of January and the first day of July every year.

Provided that if the Pro Vice-Chancellor assumes or relinquishes the charge of the Office of the Pro Vice-Chancellor during the currency of half year, the leave shall be credited proportionately at the rate of 2½ days for each completed month of service.

b. The Leave at the Credit of the Pro Vice-Chancellor at the close of the previous half year shall be carried forward to the new half year, subject to the condition that the Leave, so carried forward plus the credit for that half year, does not exceed the maximum limit of 300 days.

c. The Pro Vice-Chancellor, on relinquishing the charge of his/her office, shall be entitled to receive a sum equivalent of the Leave Salary admissible for the number of days of Leave on Full Pay due to him at the time of his relinquishing of charge, subject to a maximum of 300 days, including encashment benefit availed of elsewhere.

d. The Pro Vice-Chancellor shall also be entitled to Half Pay Leave at the rate of 20 days for each completed year of service. The Half-Pay Leave may also be availed of as commuted Leave on production of Medical certificate, provided that when such commuted leave is availed of is availed, twice the amount of Half-Pay Leave shall be debited against the Half-Pay Leave due.

e. In case the Pro Vice-Chancellor is appointed for further term, the leave period mentioned above, shall apply separately to each term.

f. During the period of such Leave, the Pro Vice-Chancellor shall be entitled to the same Salary, Honorarium and Allowances and such other facilities or services as may have been provided.

g. In the case of any absence of the Pro Vice-Chancellor occasioned by any call by the Central or State Government, Public Service, or on Deputation on behalf of the University for any public purpose, the period so spent shall be treated as on duty.

h. Where an employee of the University is appointed as the Pro-Vice-Chancellor, he/ she shall be allowed to avail himself of any Leave at his credit before his/ her appointment as the Pro-Vice-Chancellor. Similarly, on his/ her relinquishing the post of the Pro-Vice-Chancellor and in event of his/her re-joining his/her old post, he/she shall be entitled to carry back the Leave at his/her credit to the new post.

Further he/she may be allowed to contribute to any provident fund of which he/she is a member and the University shall contribute to the account of such person in that provident fund at the same rate at which the person had been contributing immediately before his/her appointment as Vice-Chancellor.

i. If a person, employed in another institution, is appointed the Pro Vice-Chancellor on Deputation, he/she shall be entitled to Salary, Allowances, Leave and leave Salary as per deputation Rules of the institution to which he/she was entitled prior the his/her appointment as the Pro Vice-Chancellor and till he/she continues to hold his/her line on this post. The University shall also pay Leave Salary, Provident Fund, and Pension Contributions to the Institution, where he/she permanently employed, as admissible under the Rules.

**POWERS AND FUNCTIONS**

The Pro Vice-Chancellor shall assist the Vice-Chancellor in respect of such matters as may be specified by the Vice-Chancellor in this behalf, from time to time, and shall also exercise such powers and perform such duties as may be assigned or delegated to him/her by the Vice-Chancellor.

Dr. A.R. SUBRAMANIAN, Registrar

[ADVT.-III/4/Exty./487/16]

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

ALOK KUMAR Digitally signed by ALOK KUMAR Date: 2017.03.29 14:52:39 +05'30'